सब सो गए

शरलॉट पोमेरनतज, हिंदी: नीला त्रिवेदी

विषय सूची

४ सब सो गए १

६ पिल्ले का गाना

८ चंद की नैया

१० उनींदा भौंरे

१२ धीरे से लुढ़को पुरानी कजरा गाड़ी

१४ दादा की लोरी

१६ झांकना मन है!

१८ मेरा पुष्पगुच्छ सो रहा है

२० दादी की लोरी

२२ मेंढक की लोरी

२४ आधी लोरी

२६ नन्हा भैया गुड़िया को सुलाता है

२८ पफिन

३० गड़गड़ाती रात की ट्रेन

३२ सब सो गए २

सब सो गए १

भेड़ के पास मेमना है,
बतख के पास उस का बच्चा है,
मेरे पास मेरा बच्चा है,
शुभ रात्रि,
शुभ रात्रि,
मेरे बच्चे,
शुभ रात्रि।

उल्लू के पास उल्लू का बच्चा है,
सूअर के पास सूअर का बच्चा है,
मेरे पास मेरा बच्चा है,
शुभ रात्रि,
गहरी नींद सोना,
मेरे बच्चे,
शुभ रात्रि ।

एक मेंढक
के पास उस का बच्चा है,
और मेरे पास मेरा बच्चा है,
सितारों की रोशनी,
है चमकीली,
मेरे बच्चे ,
शुभ रात्रि ।

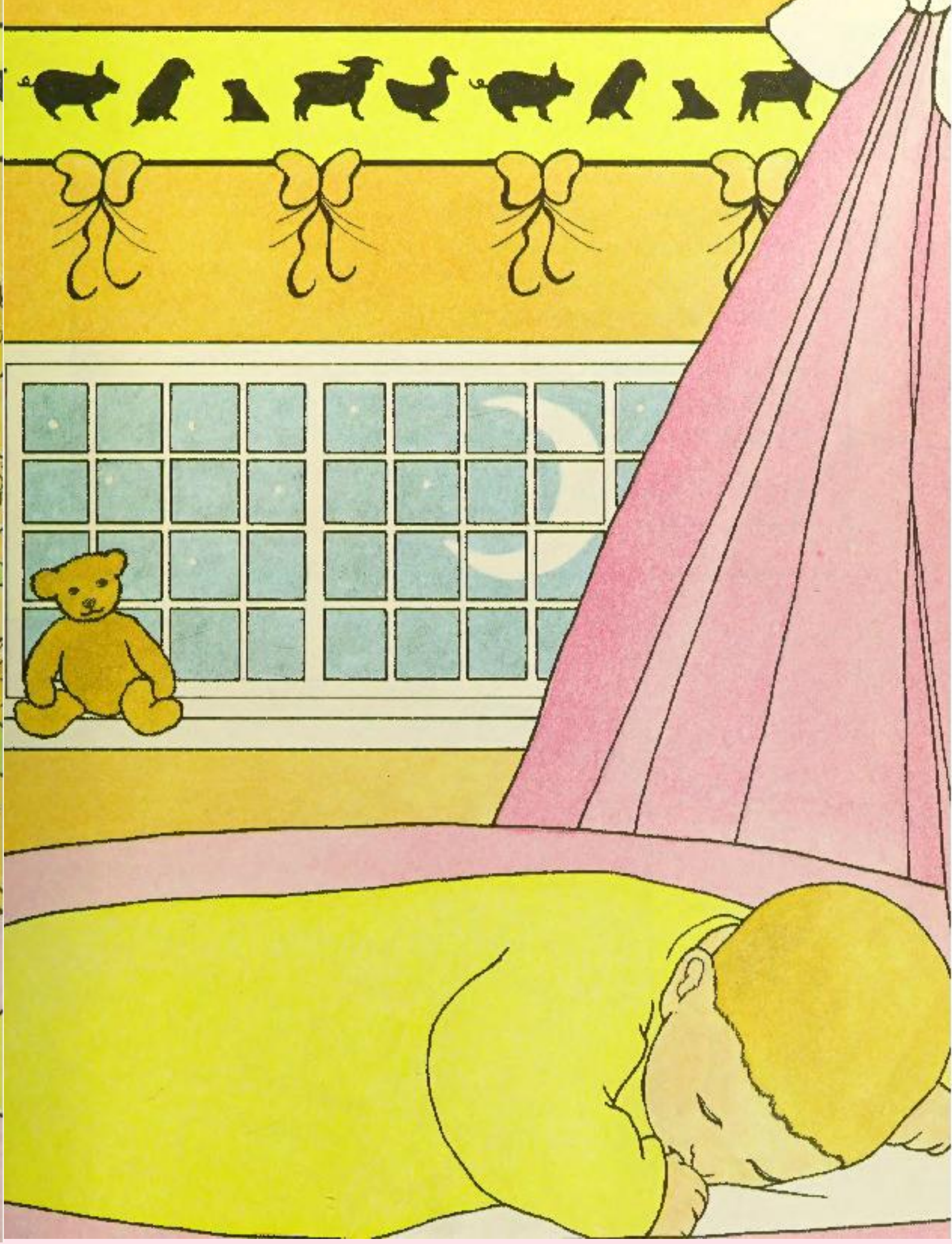

पिल्ले का गाना

मेरे छोटे पैर घिसट रहे है
मेरे लंबे कान लटक रहे है
मेरी पूंछ हिल नहीं रही है
मेरा नाक ताक झाक नहीं कर रहा,

मै सो कैसे सकता हूं क्यों कि मैं बस अभी जग हूं।
नहीं, मुझे नींद नहीं आ सकती, क्यों कि मैं तो एक पिल्ला हूं।
पर मुझे इधर-उधर भागने का मन क्यों नहीं करता है?
मेरे खयाल से मैं एक झपकी ले के देखता हूं
और फिर पता लगाऊंगा।

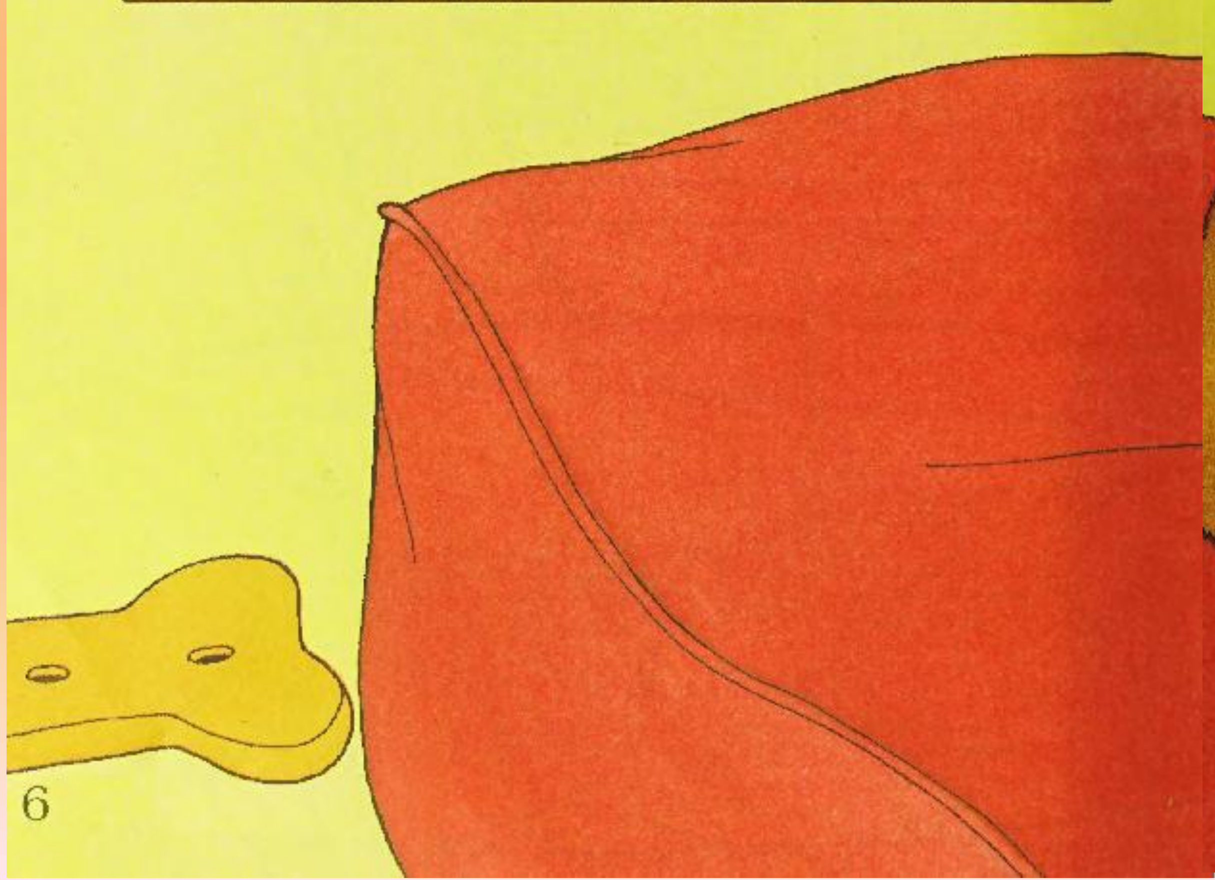

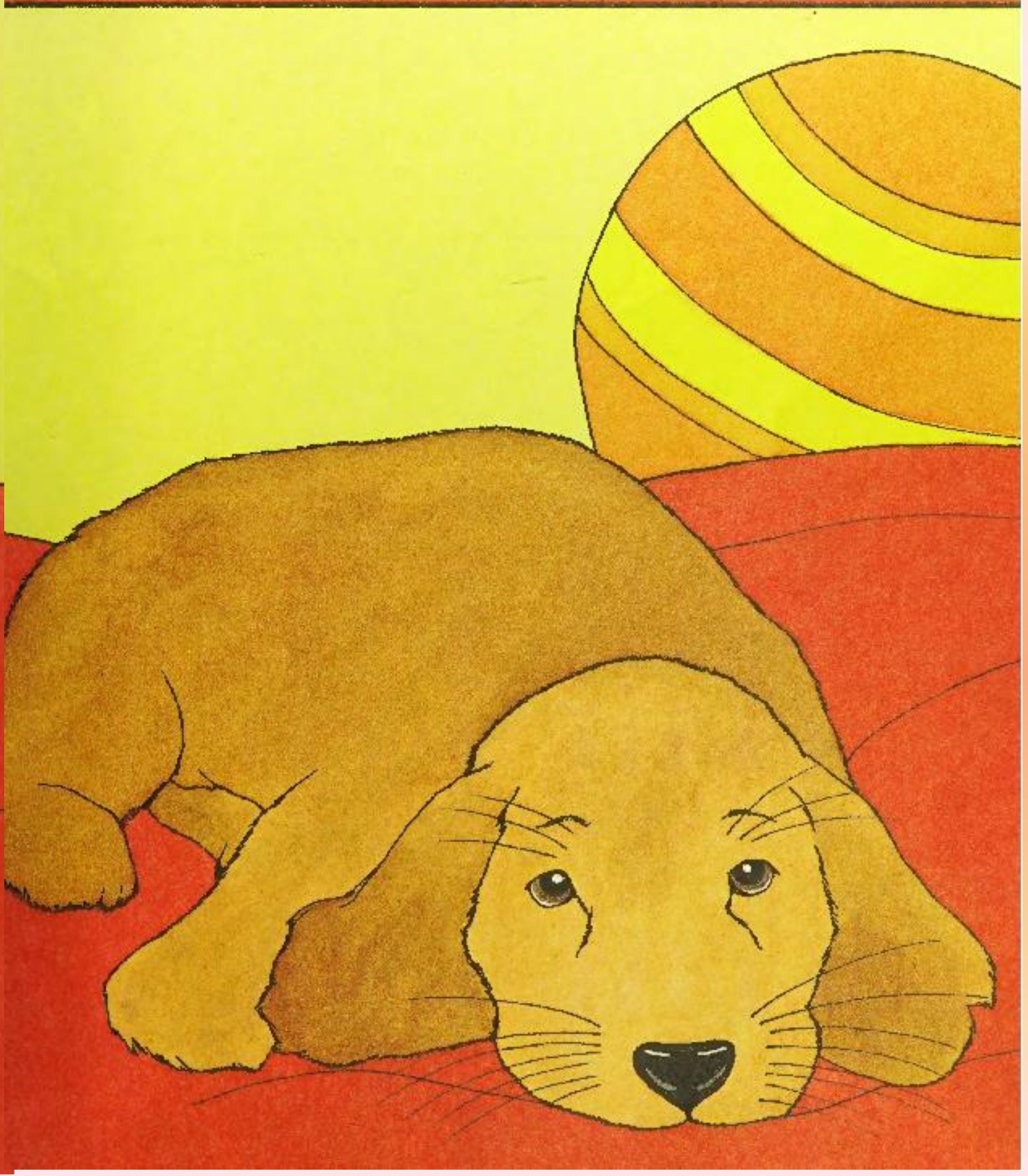

चांद की नैया

चांद की नैया, छोटी, बहादुर और चमकीली
रात के समुद्र में उछल गई,
जिस दिन मुझे घूमने की आज़ादी मिलेगी,
मै उस पर चढ़ कर तुम्हे घर ले आऊंगा।

उन्नींदा भौंरे

उन्नींदा गुंजन करने वाले गुंजन भौंरे
और गुनगुनाने वाले गुनगुन भौंरे,
अगर आप सादगी से देखेंगे,
की वे वही व्यस्त व्यस्त भौंरे हैं।

गुंजन करने वाले गुंजन भौंरे
हमेशा उन्नींदा हो के गुनगुनाते हैं,
जबकि गुनगुनाने वाले गुनगुन भौंरे
गूंजते हैं कितनी गूंज से।

इसलिए, जब गुंजन गुनगुनाते हैं,
उसे हम गुनगुन भौंरा कहते हैं;
इसी तरह, जब गुनगुन गूंजता है ,
हम उसे गुंजन भौंरा कहते हैं।

लेकिन, हाँ, अगर यह मादा भौंरा है;
तो, उन को सहज महसूस करते हुए,
हम उन्हें विनम्र गुंजन कहते हैं,
या विनम्र उन्नींदा गुंजनी।
इस तरह, आप पक्का खाऊ

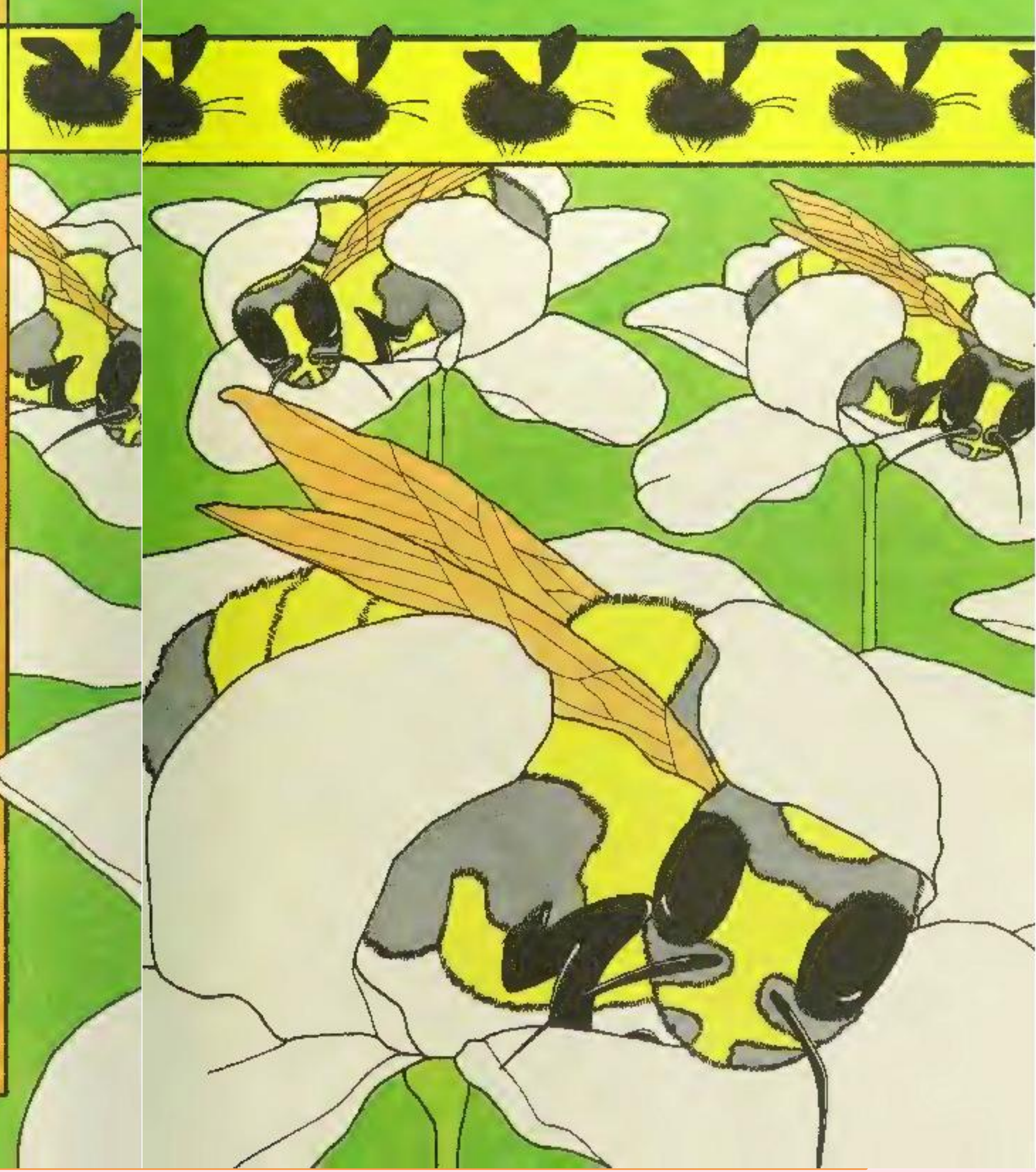

धीरे लुढ़को पुरानी कचरा गाड़ी

अंधेरी शहर की गलियों से
धीरे लुढ़को पुरानी कचरा गाड़ी,
ऊपर तक भरी पड़ी है चटकीले अंडों के छिलकों से
और छूट हुआ बीत।

मेरे डेनियल सो गया है
लेकिन सपने वह तुम्हारे देख रहा है।
मेरे डेनियल को परेशान मत करो
जब तुम गड़गड़आते हुए जाओ।

वहां टोस्टर है, एक टीवी,
एक फटा हुआ बसे बल्ला।
बच्चे की पुरानी कचरा गाड़ी
जिस के पहियों में हवा नहीं है।

लेकिन मेरे डेनियल के खिलौने वाली कचरा गाड़ी
तो नई ओर चमकीली है।
इस लिए कृपा कर के इसे ले मत जाना
जब तुम गड़गड़ाने हुऐ जाओ।

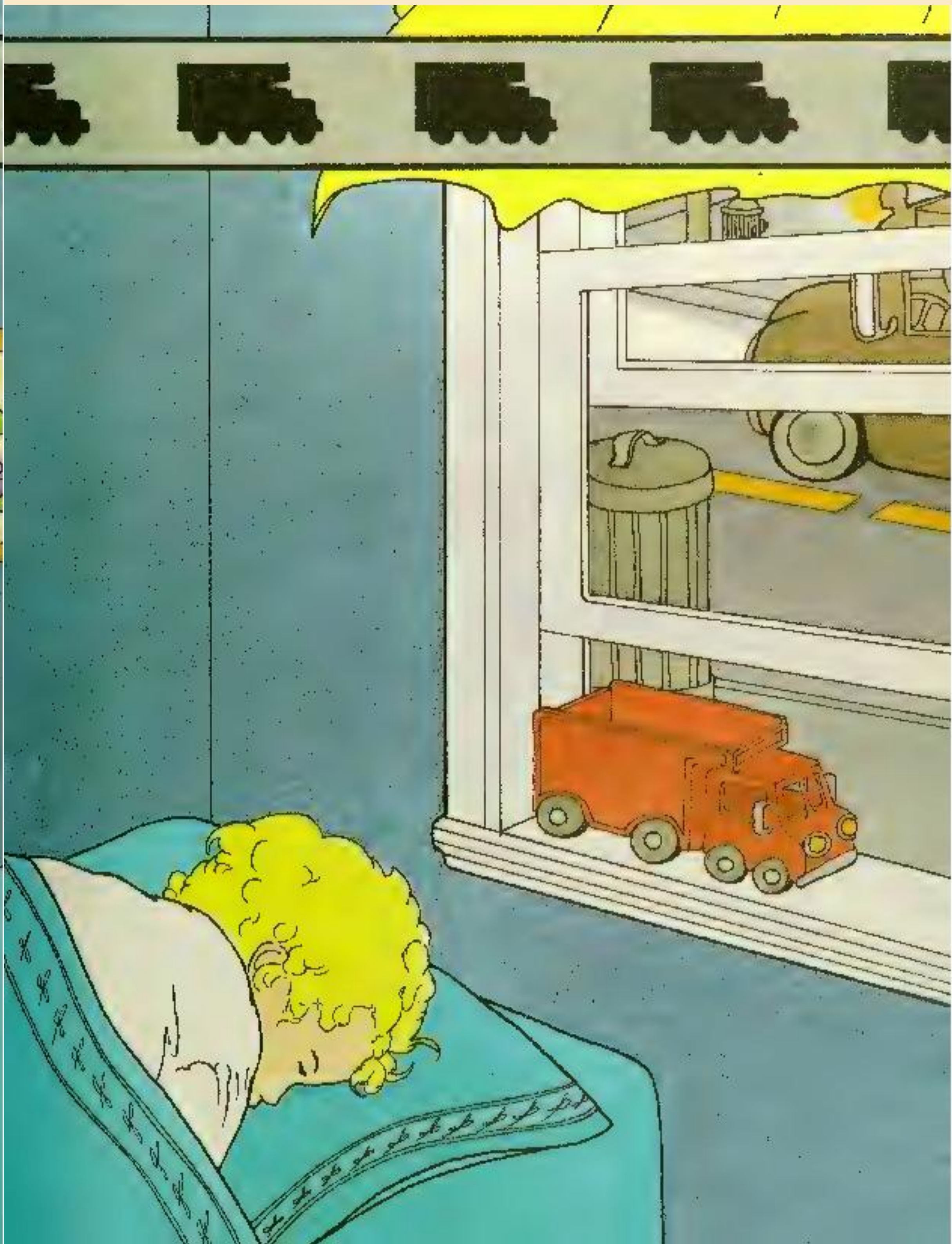

दादा की लोरी

मै ने सुनाई लल ला, लल ला,
सात लल ला लल ला लोरियाँ ,
मै ने कहा बड़ी विनम्रता से लल ला, लल। ला,
सस्थिर हो जाओ, आँखें बंद करो।

मै ने तुम्हे चूमा, लल ला, लल ला,
मै ने तुम्हे गले लगाया कसके ;
लेकिन अब मै नहीं गाऊंगा
आज रात एक और लल ला लल ला लोरी।

तो प्यारे, लल ला, लल ला,
मुझे अपनी बात साफ करने दो,
की अगर तुम सो नहीं जाओगे
अभी के अभी, तो मै ऐसा करूंगा।

मैं तुम्हारी गुड़िया के बाल काट दूंगा
सुंदर लल ला, लल ला लोरी,
तुम्हारे रींछ की पिटाई कर दूंगा
लल ला, लल ला लोरी।

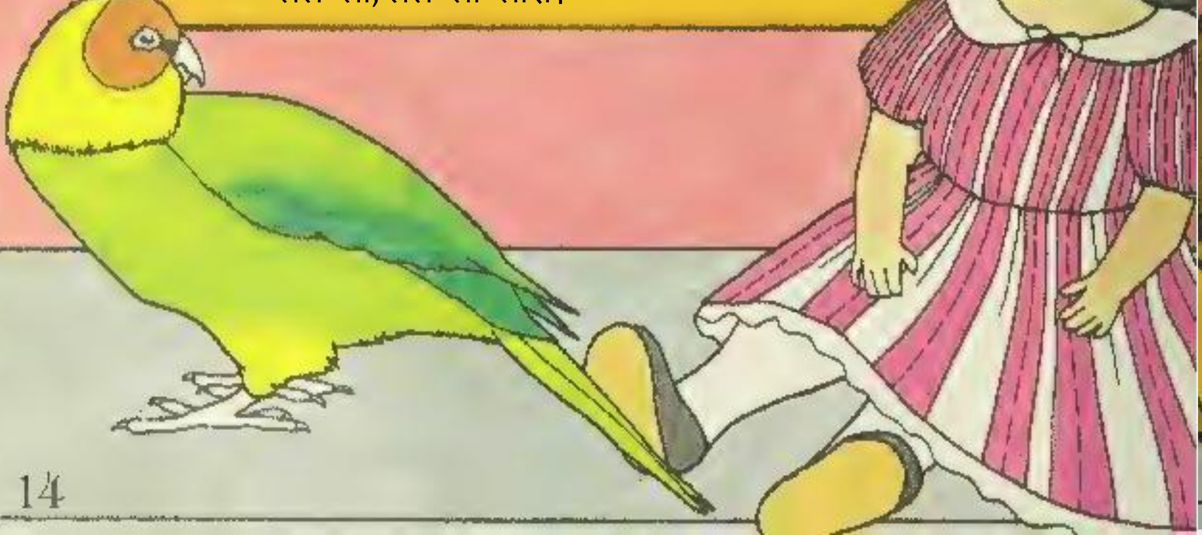

मै पैसे निकाल लूंगा
तुम्हारी लल ला लल ला गुल्लक से।
और अपने लिए लल ला, लल ला
बुढ़िया के बाल खरीद लूंगा।

तुम्हारे तू तक, तू तक तोते को
गोल गोल उड़ने दूंगा।
और फिर सफेद चूहे के पिंजरे का दरवाज़ा खोल के
चूहे को बाहर निकल दूंगा।

तुम्हारे दादा बहुत थक गए है,
वे तो अभी एक गड्डी की तरह लुढ़क जाएंगे।
मै जाग नहीं सकता••••••
पर ये क्या? - तुम तो गहरी नींद मै सो गये!

झांकना मना है!

श - - मेरे बच्चों, झांकना नहीं।
बहुत जल्दी तुम सो जाओगे।

लेकिन अगर हमने झांका तो?
हमे देखो, हम सो नहीं रहे है।

हूं - -, मानना पड़ेगा, झांको, झांको।
सच्ची तुम सो नहीं रहे हो।

नहीं, हम नहीं, हम नहीं सो रहे।
देखो ,देखो।

कितने चालक बच्चे हो तुम।
तुम ने रास्ता ढूंढ लिया है कभी न सोने का।

(आँखें झपकते) आहा! हम कभी नहीं सोएंगे।
पूरी रात हम आँखें झपकते रहेंगे, झांकेंगे, झांकेंगे!

मै ने तुम्हें झांकने की अनुमति कब दी?
अब आप नहीं, कभी नहीं सोएंगे

नहीं सोएंगे, झांकेंगे, झांकेंगे, झांकेंगे!
कभी नहीं सोएंगे, झांकेंगे, झांकेंगे, झांकेंगे।
पूरी रात झांकेंगे, झांकेंगे, झांकेंगे।
कभी नहीं, सोने जायेंगे, सोने, - - - - -

श ...मेरा पुष्प सो रहा है

श - - - मेरा पुष्प सो रहा है
घास के बीच में।
रंभा गाय रंभाती है,
प्रेम कबूतर कूजते हैं,
जब मेरा पुष्प सोता है।

श - - - मेरा पुष्पगुच्छ सपना देख रहा है,
बुलबुलाती चांदनी से चमकती धाराओं की
जहां समुद्री घंटियाँ बजती हैं
और जलपरियां गाती है --
जब मेरा पुष्प सोता है।

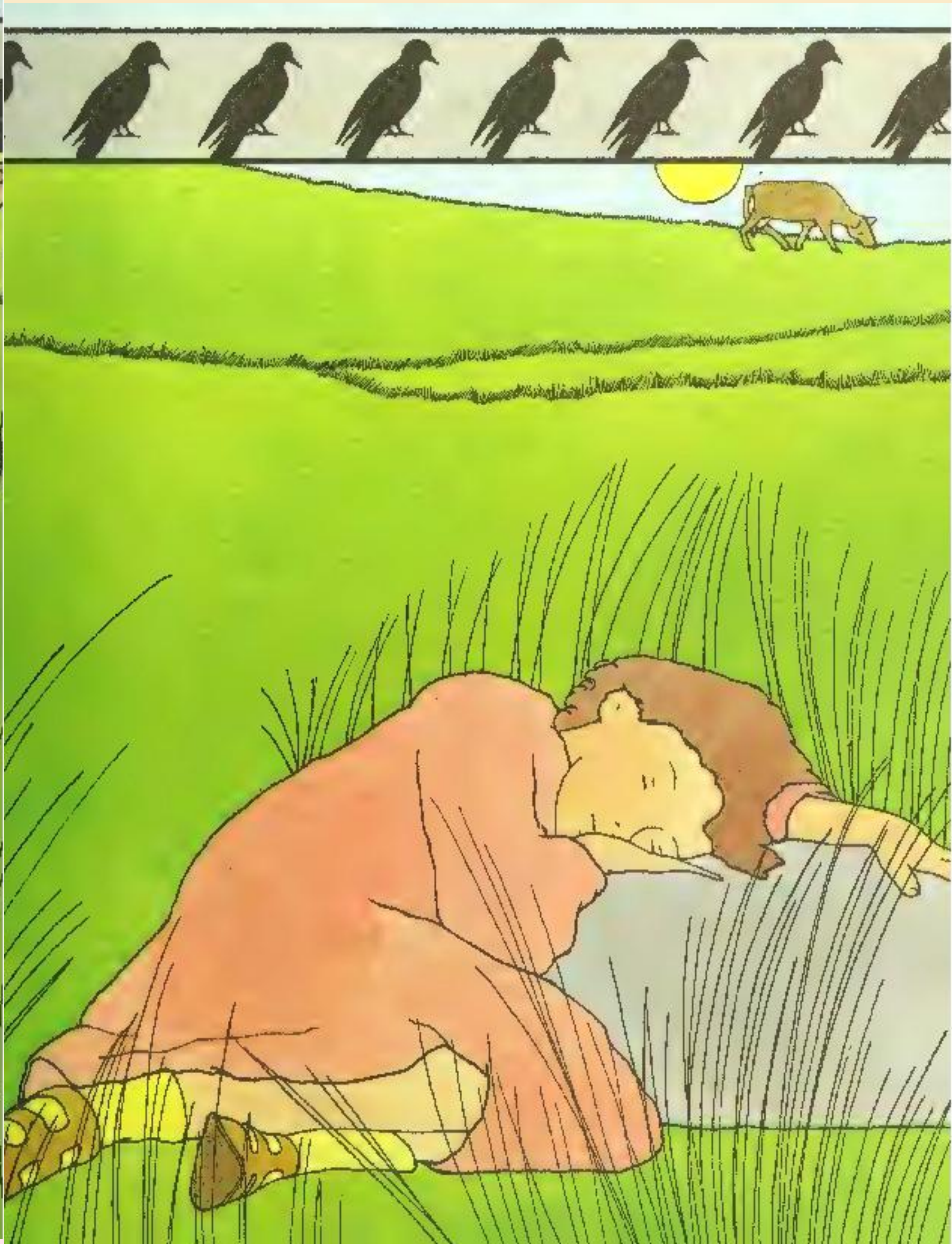

दादी की लोरी

आँखें मूंद लो
मेरे प्यारे, जान से प्यारे।
दादी का छोटा कछुआ कबूतर।

सब सो जाओ,
मेरी प्यारी बिल्ली।
दादी की छोटी
चिड़ी चिड़िया।

रोना अपना बंद करो,
गले लग जाओ,
दादी की छुटकी
प्यारी आलू की टिक्की!

छुटकी पुटकी
प्यारी दुलारी
टूटी फ्रूटी
लॉलीपॉप सी!

गुड़िया, जादू की पुड़िया
आजा और अब
दादी की खातिर
चुप हो जा!

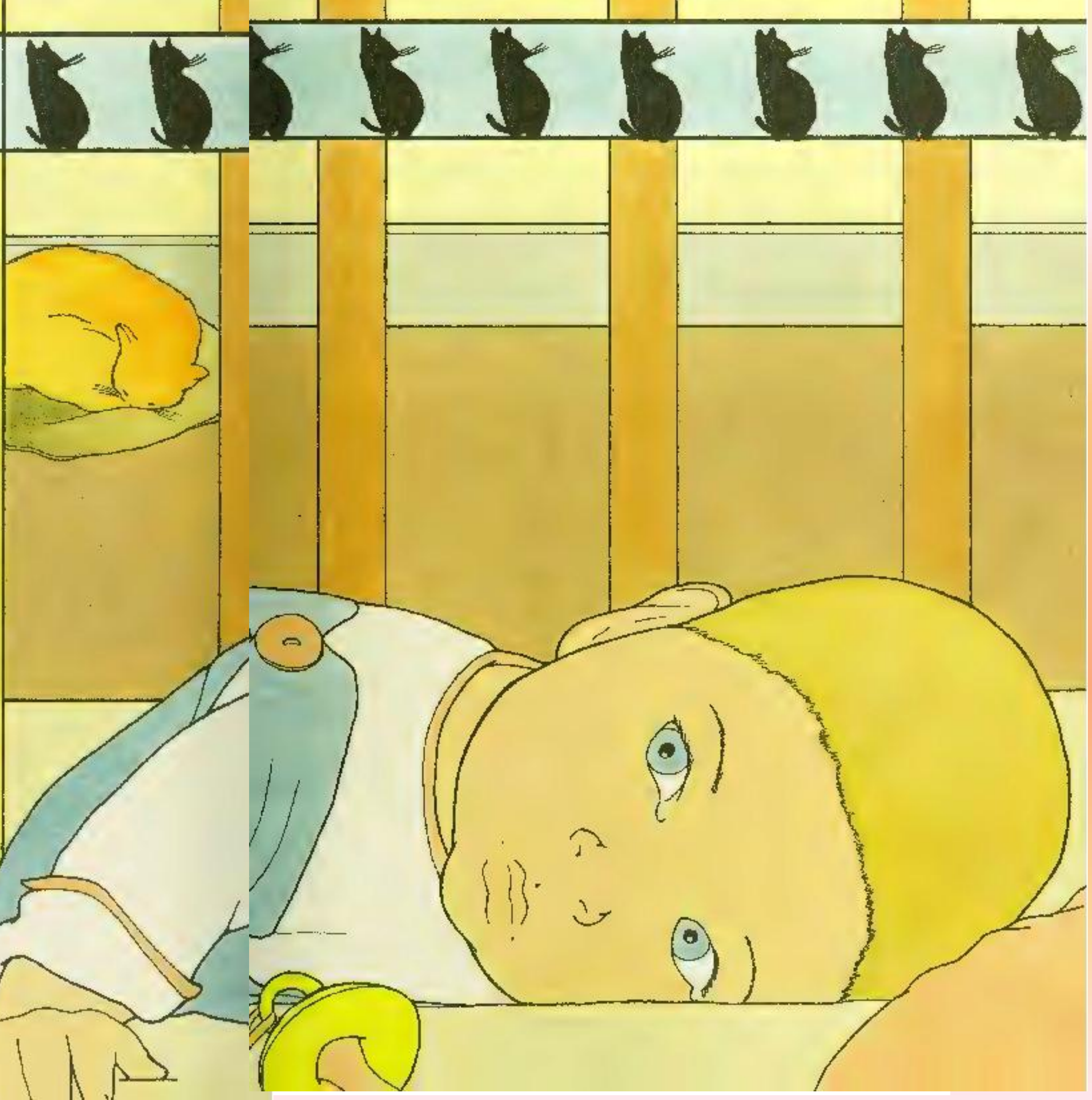

मेंढक की लोरी

सो जा मेरी प्यारी पुरनपोली,
पॉली वॉली विगल वॉग
पॉली विगल वागल वॉग
विगल वागल वागल वॉग
पॉली वॉली विगल वागल
विगल वागल वॉगल फ़्रोगी
सो जा मेरे छुटकु वूटकू,
पानी में छुटकू से बिस्तर पर!
सपने सुहाने देखो मज़े से,
जब जागोगे, बन गए होंगे बड़े!

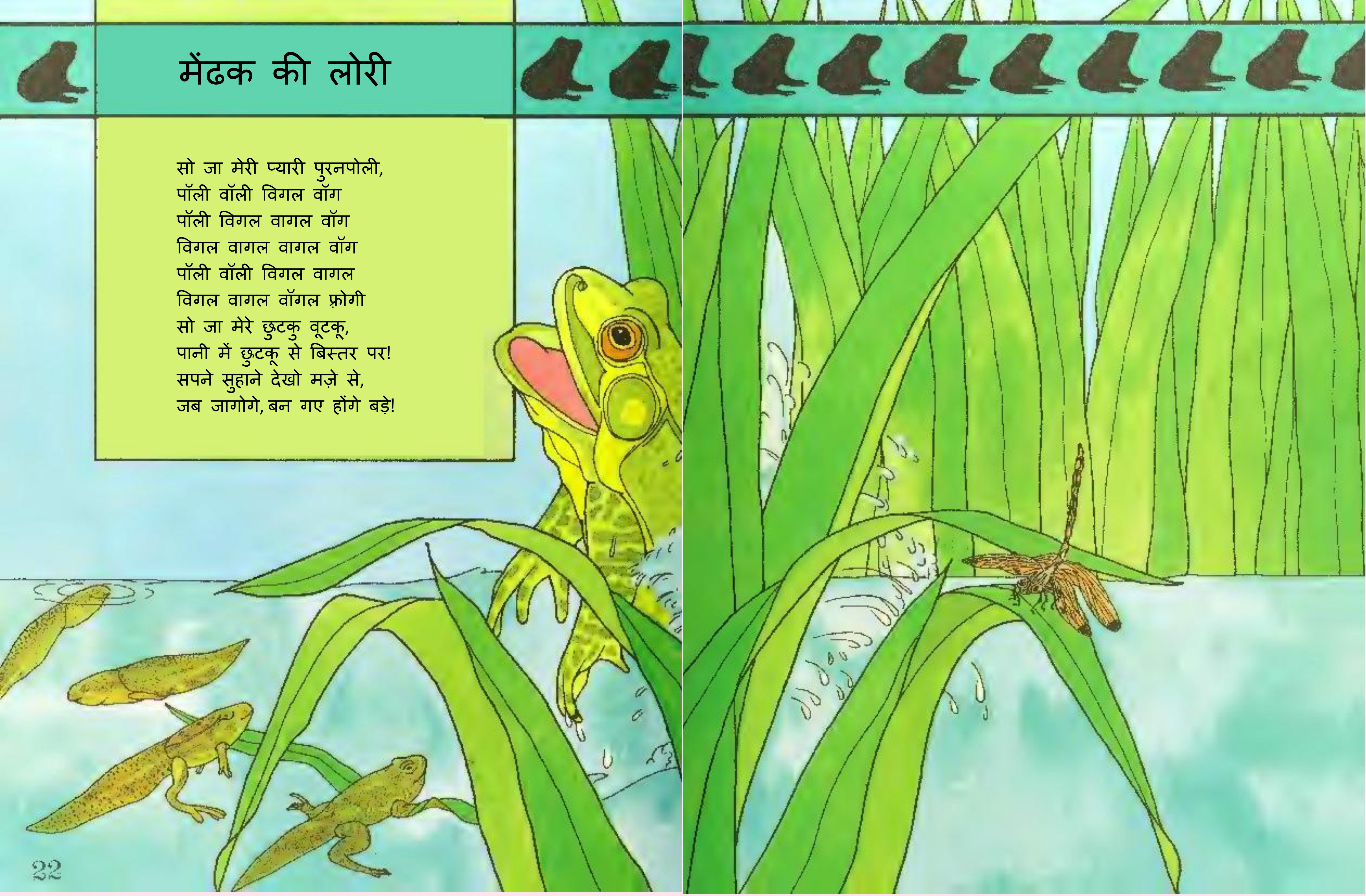

आधी लोरी

मै एक लड़के को जनता हूँ
(यह सच्ची कहानी है)
उस के पास एक चीज है,
उसे दो नहीं चाहिए।

एक मफलर, एक जूते की डोरी,
एक जीर्ण दस्ताना;
एक कामकाजी जूता, एक कफलिंक,
एक चिट्ठी आधी लिखी हुई;

एक चॉपस्टिक, एक स्लिपर ,
एक जुराब, जिसे रफू की ज़रूरत है,
एक आधी लोरी
बिना किसी अंत की!

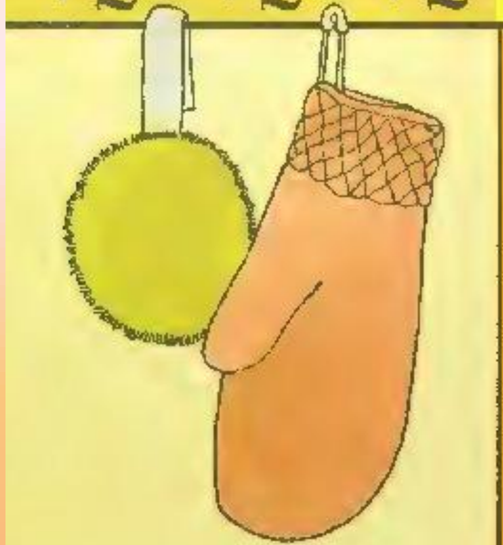

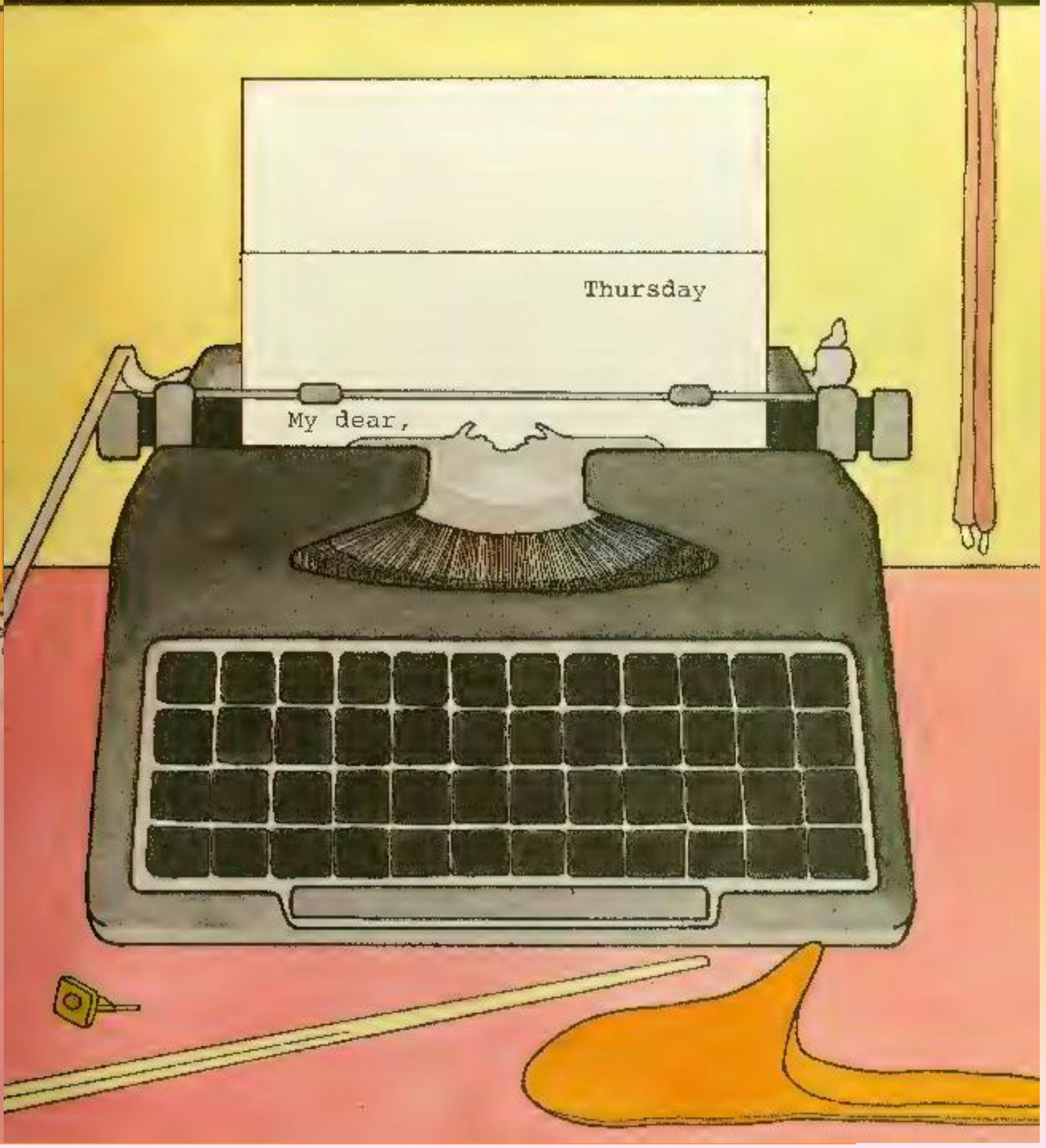

नन्हा भैया, अपनी गुड़िया को सुलाता है

(अपनी बड़ी बहन की सहायता से)

आराम से बिस्तर पर लेट जा गुड़िया
लेटने का समय हो गया है।

नहीं, नहीं, नहीं, लेटने का नहीं, सोने का,
सोने का समय हो गया है।

ओ -
सोने का समय हो गया है
अपने थके हुए छोटे पैरों को आराम दो।

नहीं, नहीं, नहीं, पैर नहीं सिर
अपने थके हुए सिर को आराम दो।

ओ
अपने थके हुए सिर को आराम दो
मैं तुम्हारे लिए दूध और अदरक की फोटो लाता हूँ

नहीं, नहीं , नहीं, फोटो नहीं, दूध और डबलरोटी।
मै तुम्हारे लिए दूध और डबलरोटी लाता हूँ

ओ -
मैं तुम्हारे लिए दूध और डबलरोटी लाता हूँ।
और अब समय हो गया है लेटने का।

हां, हां, लेटने का नहीं, सोने का
अब समय हो गया है सोने का।
हां, हां, हां, सोने का समय हो गया है।
शुभ रात्रि मधुरी
शुभ रात्रि गुड़िया।
तुम्हारी गुड़िया का नाम क्या है?
मॉली है।
जॉली मॉली मेरी गुड़िया है।
वो मेरी छुटकी सी ट्रॉली पे सवारी करती है!
अरे बाप रे! बाबा री बाबा!
नहीं, नहीं! बाप रे नहीं!
अरे मेरी बहना, कहो, "अच्छा मेरे भैया"!

पफिन

गरम और फूली हुई जैसे ताजी टिकिया
ऐसे सो रहे हैं ये छोटे छोटे पफिन
अपने घोंसलों में
समुद्र पर लटकती चट्टानों पर।

ऊपर एक गौरैया, एक उड़ता हुआ समुद्री पक्षी,
नीचे सदा लुढ़कता समुद्र।
शांति काल में गाता अंधेरा,
तोते सुनते हैं लुढ़कते समुद्र को
समुद्र, सदा लुढ़कता समुद्र।

पफिन को ज़ुखाम हुआ तो रोने लगा
'मां - पापा, मै क्यों नहीं जा सकता
समुद्र में कूद कर (मछली पकड़ने)'
'नहीं', उन्होंने कहा, 'पहले सो जाओ और बड़े हो जाओ।
और अगर तुम सो जाओगे तो तुम्हारी इच्छा पूरी हो जायेगी'।
इसलिए वो सो गया और मच्छलियों का सपना देखा।

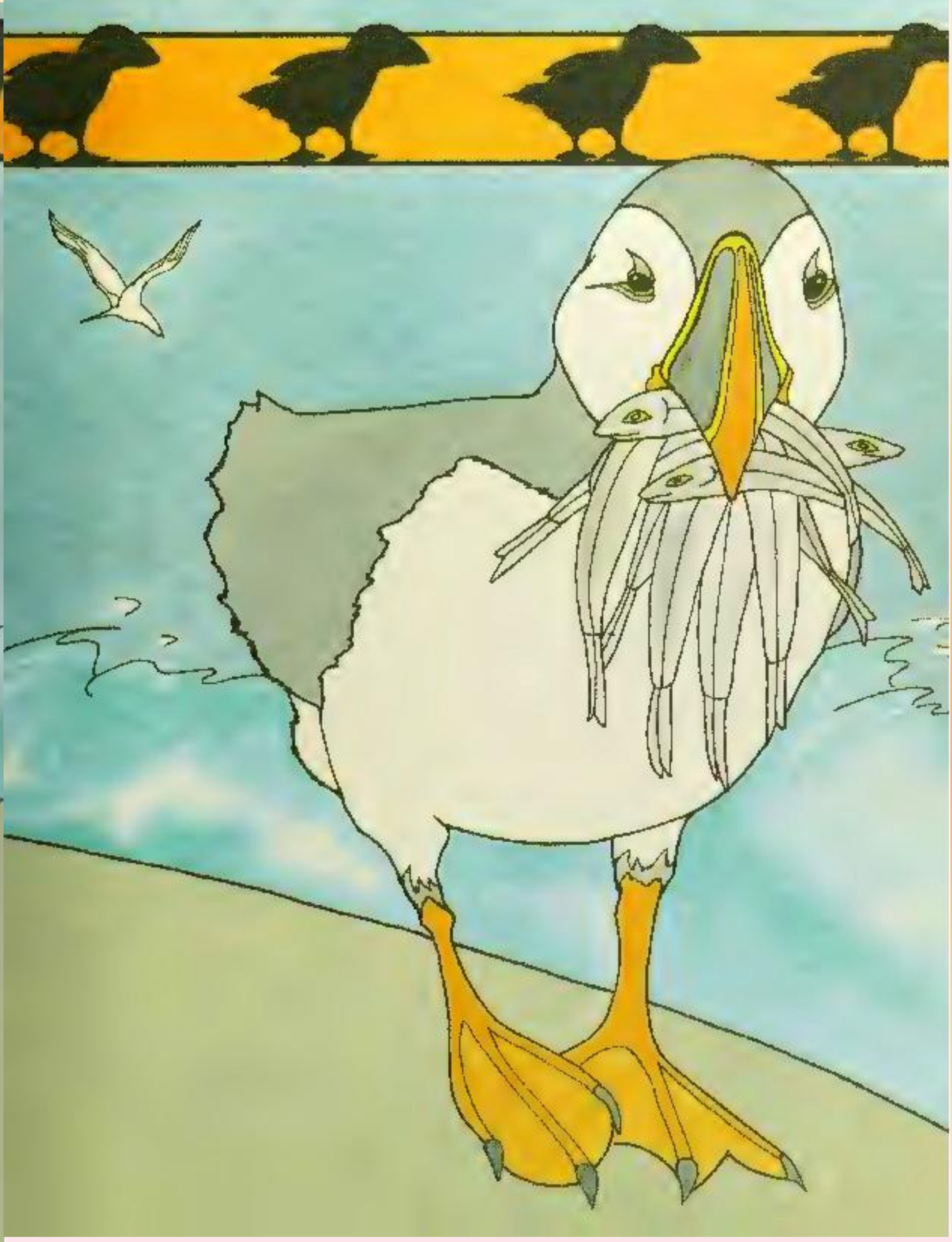

गड़गड़ाती रात की ट्रेन

मैं पुराने पुल को पार करता हूँ
धुंध और बारिश में।
मै पुल को पार करता हूँ
उस गड़गड़ाती रात की ट्रेन में।

मैं अपने सपने को ढूंढता हूँ
उस पुल पर जहां मैने उसे पाया था
और फिर, हाय, मै ने उसे खो दिया!

इस पार से उस पार
इसलिए मै पार करता ही रहता हूँ
क्यों कि यह मेरी हार्दिक इच्छा है
उस सपने को दोबारा देखूं।

किसी रात मुझे मिल ही जायेगा
पुल वाला सपना मेरा
और उस को ले चलूंगा अपने साथ
उस गड़गड़ाती रात की ट्रेन में।

और फिर वापस पार कर के आऊंगा
अपने सपने को कस के पकड़के
और जब मैं पार कर के आऊंगा
मै फिर से उस सपने को देखूंगा!

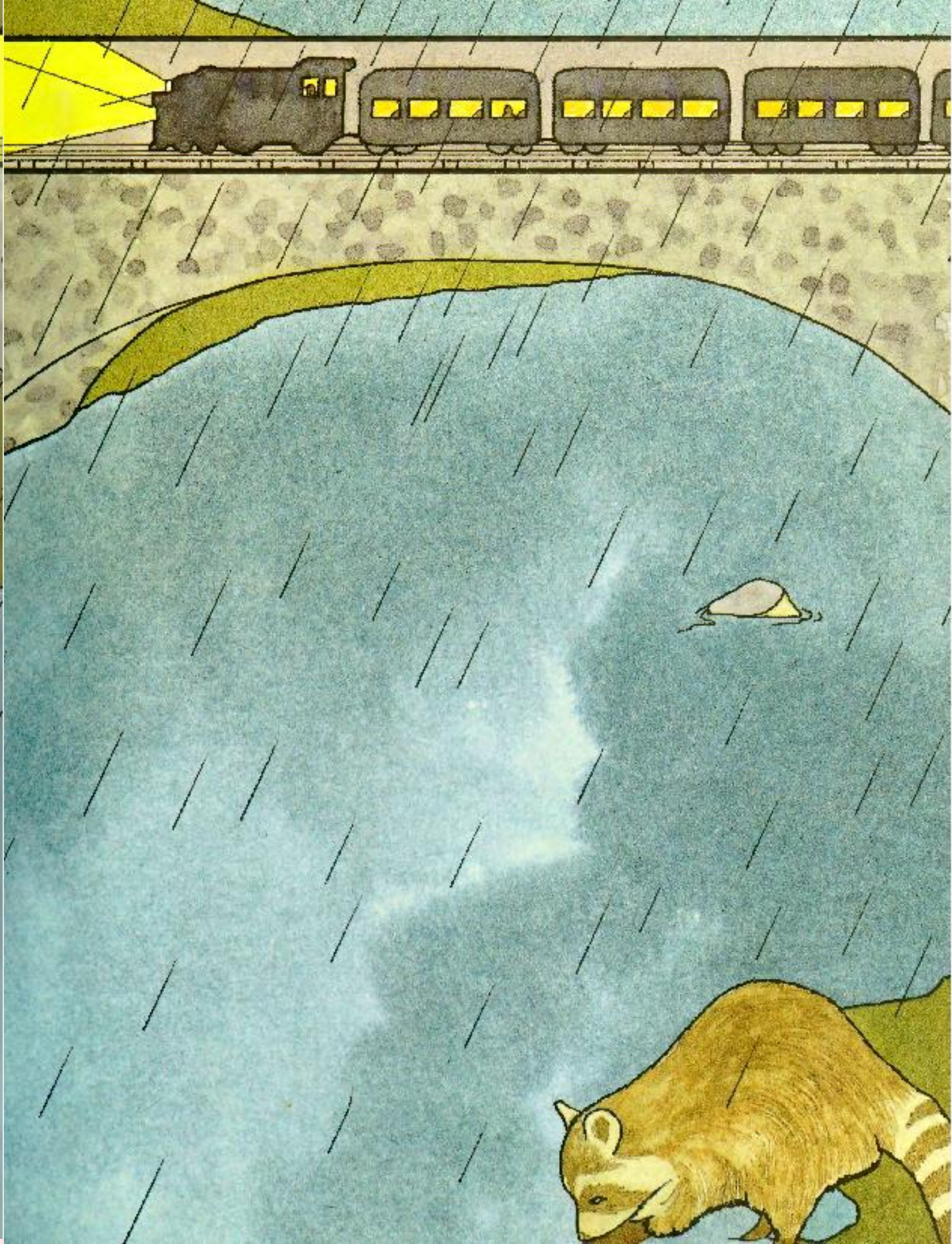

सब सो गए २
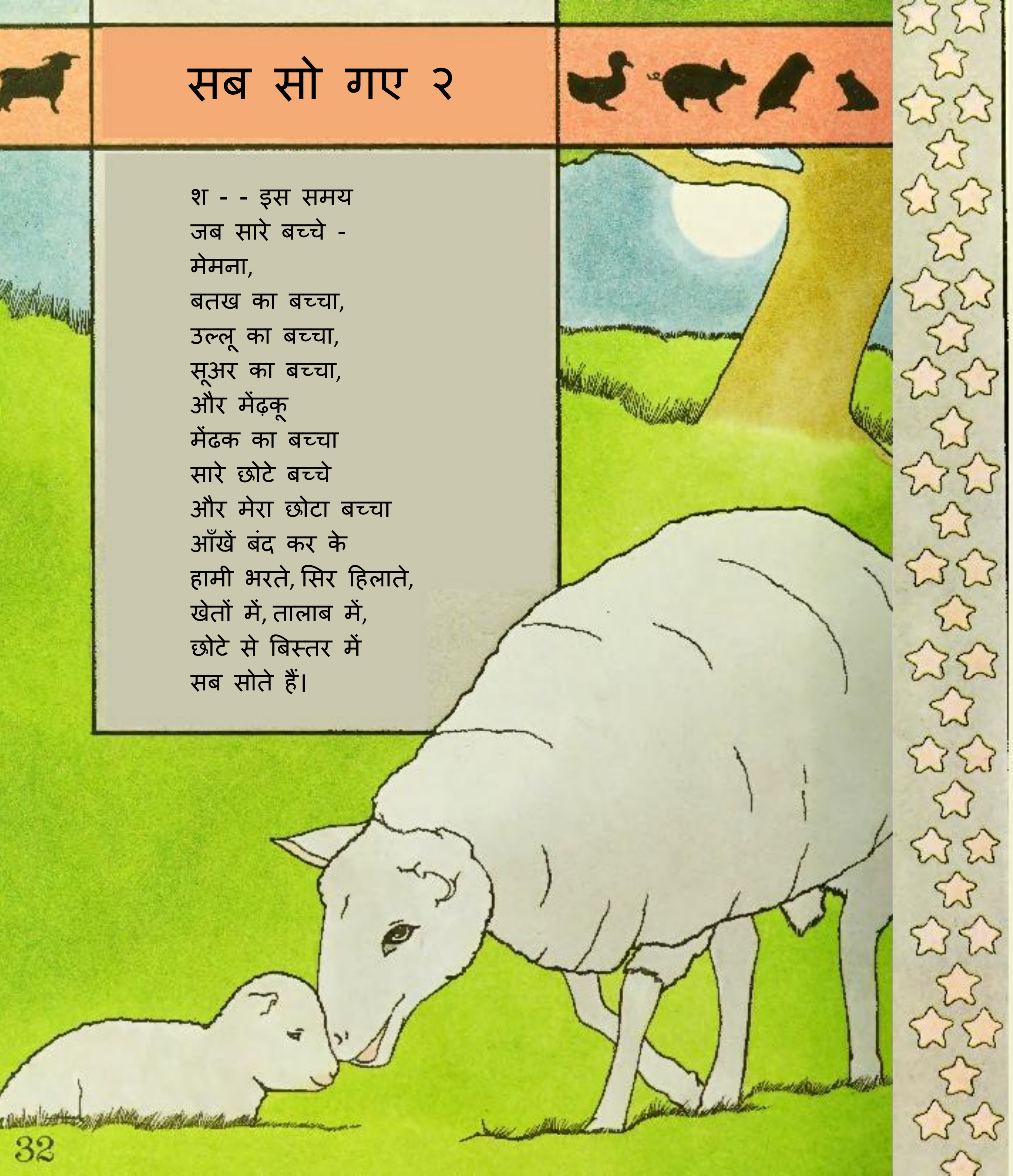
श - - इस समय
जब सारे बच्चे -
मेमना,
बतख का बच्चा,
उल्लू का बच्चा,
सूअर का बच्चा,
और मेंढ़कू
मेंढक का बच्चा
सारे छोटे बच्चे
और मेरा छोटा बच्चा
आँखें बंद कर के
हामी भरते, सिर हिलाते,
खेतों में, तालाब में,
छोटे से बिस्तर में
सब सोते हैं।